FIR Logged Matter

टेस्ट ड्राइव के नाम पर कार सहित मैनेजर लापता

न्यायसाक्षी@रायगढ। रायगढ़ भगवानपुर के पास रहने वाले मोहम्मद अताउल्लाह हुण्डई शो रूम रायगढ़ में कार्यरत है, जिनके द्वारा शो रूम में हेड प्रोमिश मैनेजर के पद पर पदस्थ कर्मचारी नीलमाधव सेट्ठी के विरूद्ध शो रूम में आयी हुंडई आई10 कार क्रमांक सीजी 13 सी 6303 हुंडई आई 10 को टेस्ट ड्राईव के लिये लेकर जाने के बाद वापस नहीं लाने के संबंध में थाना कोतरा रोड़ में रिपोर्ट की गयी है। नील माधव सेट्ठी का काम शो रूम में पुरानी गाडी खरीदना एवं बेचना था,13 मई के 12.35 बजे वतो शो रूम की वाहन क्रमांक सीजी13 सी6303 माडल हुंडई आई10 को टेस्ट ड्राईव करवाने के नाम पर ले गये व खुद उपस्थित हुये, न ही वाहन को वापस लौटाये व गाडी का पेपर भी साथ ले गये है उक्त पुरानी गाडी अनुज अग्रवाल पिता अशोक अग्रवाल पता बेनीकुंज रायगढ छग के नाम से पंजीकृत है जिसे अनुज अग्रवाल द्वारा एक्सचेज के माध्यम से 13 फरवरी को शो रूम मे बेंचकर एक नई कार हुंडई एलीट आई20 स्पोर्टस् खरीदी गयी है जिसका पंजीयन क्रमांक सीजी 13 डब्ल्यू 7533 है। नीलमाधव के विरूद्ध धारा 408 भादंवि कल दर्ज कर विवेचना में लिया गया

सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण,तीन पर मामला हुआ दर्ज

न्यायसाक्षी@रायगढ। धरमजयगढ के आमापाली बाजारपारा की श्रीमति भानूमति बेहरा 70 वर्ष के घर के बगल में मदन अग्रवाल निवासरत हैए जो श्रीमति भानूमति बेहरा के सामने शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान निर्माण करा रहा है जिसे देखकर गणेश सोनी एवं गौरी शंकर सोनी भी नाली को शौचालय बनाकर बंद कर दिये है। जिससे श्रीमति भानूमति बेहरा के घर में बरसात का पानी घूसने की सम्भांवना है । जिसे श्रीमति भानूमति बेहरा ने मदन अग्रवाल, गणेश सोनी तथा गौरी शंकर सोनी को मना की तो वे जो होगा देखा जायेगा, शासकीय भूमि है शासन जो करेगा निपट लेंगे, कहकर निर्माण बंद नहीं किये, इस संबंध में श्रीमति भानूमति बेहरा द्वारा लोकसुराज शिविर आमापाली में आवेदन दिया गया था जिसकी जांच पर कल मदन अग्रवाल, गणेश सोनी तथा गौरीशंकर सोनी के विरूद्ध धारा 432, 34 भादंवि दर्ज कर विवेचना में लिया गया ।

स्कूटी को मोटर सायकल ने मारी ठोकर

न्यायसाक्षी@रायगढ। अतरमुड़ा इंडियन स्कुल के पास रहने वाली श्रीमति कलावती पटेल 29 मई को अपने बेटे धर्मेन्द्र पटेल के साथ स्कूटी पर छातामुड़ा नाका के पास डाक्टर से ईलाज कराकर लौट रहे थे कि विश्वासगढ चर्च के पास रात्रि लगभग 9 बजे सामने से मोटर सायकल सीजी13 यूई 9915 का चालक इनके स्कूटी को ठोकर मार दिया जिससे दोनों मां-बेटे गिर गये। स्कूटी के सामने तरफ वाइजर पूरी तरह से टूट गया तथा श्रीमति कलावती पटेल और बालक धमेन्द्र पटेल को चोटें आयी है । दुर्घटना की रिपोर्ट पर मोटर सायकल चालक के विरूद्ध धारा 279,337 भादंवि दर्ज किया गया ।

खड़ी ट्रेक्टर को पीछे से बाइक ने, ठोका एक की मौत दूसरा घायल

न्यायसाक्षी@रायगढ। ग्राम कुटेला सारंगढ निवासी करूणानिधी अपने साथी शिवदास के साथ 29 मई को मेन रोड़ पर ग्राम भोजपुर के पास मोटर सायकल से जाते समय रात्रि करीब 9. 20 बजे रोड किनारे खड़ी ट्रेक्टर को पीछे से एक्सीडेंट कर दिया जिन्हें 108 वाहन की सहायता से उपचार हेतु सीएचसी सारगढ़ मे भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद शिवदास को रायगढ़ रिफर किया गया किन्तु करूणानिधि की प्राथमिक उपचार के दौरान मौत हो गयी। घटना के संबंध में मोटर सायकल चालक करूणानिधी के विरूद्ध थाना सारंगढ़ में धारा 304 भादंवि दर्ज कर लिया गया ।

त्रिवेणी काम्प्लेक्स में 15 हजार की चोरी

न्यायसाक्षी@रायगढ। राम निवास टाकिज के पास स्थित त्रिवेणी काम्पलेक्स में अन्नपूर्णा एयर काम नाम से संचालित दुकान जिसमें फ्रीज और ए.सी. के पाट्र्स का विक्रय किया जाता है के संचालक अमित प्रसाद सिंधी कालोनी रायगढ प्रतिदिन की भांति कल रात लगभग साढे आठ बजे के आस पास में दूकान बंद करके घर आ गये थे । उस समय पाट्र्स की बिक्री से आए 15 हजार नगद दूकान के काउंटर में रखा हुआ था। दूसरे दिन आज बुधवार के सुबह अमित को दुकान आने पर अज्ञात चोर द्वारा दुकान का ताला तोडकर काउंटर में रखे रूपये को चोरी करने की जानकारी हुई, रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 457, 380 भादंवि दर्ज कर विवेचना में लिया गया ।

रायगढ़ जिले की 750 दवा दुकाने हैं बंद

न्यायसाक्षी@रायगढ। मोदी सरकार की नई नीतियों के विरोध में रायगढ़ जिले की दवा दुकानें पूरी तरह से बंद हैं। मेन रोड से लेकर ढ़िमरापुर चौक तक की दुकानों का शटर गिरा हुआ है। मरीज परेशान हैं तो इलाज के लिए भी दवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। दवा की कमी के कारण निजी अस्पतालों में ऑपरेशन तक टाल दिए गए हैं, जबकि जिला अस्पताल में रेड क्रास सोसायटी की दुकान खुली होने से यहां मरीजो को थोड़ी राहत मिली हैं और स्थिति फिलहाल सामान्य बनी हुई है। ऑल इंडिया आर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एआईओसीडी के आह्वान पर यह कदम उठाया गया है। जिले में 750 से भी अधिक दवा दुकानें बंद हैं। इसमें थोक से लेकर खुदरा विक्रेता तक शामिल हैं। ऐसे में राहत सरकार की ओर से संचालित जेनरिक दवाओं की दुकानें दे रही हैं।

किसानो के लिये शिव सेना ने दिया धरना

न्यायसाक्षी@रायगढ। शिव सेना ने आ रामनिवास टाकिज चौक पर प्रदेश उप प्रमुख राजेश जैन के नेतृत्व में किसानों की समस्यायों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। बाद में एक प्रतिनिधि मंडल ने डिप्टी कलेक्टर बहादुर सिंह मरकाम से भेंट कर मुख्य मंत्री के नाम ज्ञापन सौपा । धरने में मुख्यरुप से रितेश वैद्य,विमल महंत,विजय लकड़ा, विजय महंत, आदि उपस्थित थे।

शादी का झांसा दे किया गर्भवती

न्यायसाक्षी@रायगढ। ग्राम चारभाठा थाना घरघोड़ा की 19 वर्षीय बालिका द्वारा ग्राम सलखिया के अरूण कुमार पैंकरा के विरूद्ध करीब 9 माह पूर्व से शारीरिक शोषण बलात्कार करने की रिपोर्ट थाना लैलूंगा में दर्ज करायी है, सितम्बर16 से युवती अपने नानी के घर ग्राम सलखिया लैलूंगा में रह रही है। इस दौरान अरूण कुमार युवती का मोबाईल नम्बर प्राप्त कर उसे प्रेमजाल में फंसा कर युवती को शादी का प्रलोभन देकर माह नवम्बर16 से लुक छिपकर शारीरिक संबंध बनाता रहा, जिससे युवती गर्भवती हो गई तब युवती को अरूण कुमार द्वारा गर्भपात के लिये गोलियां दवाई लाकर दिया जिसे खाने से इंकार कर जल्द शादी करने की बात अरूण को बोली तो अरूण शादी से इंकार कर युवती को गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देने लगा । युवती द्वारा थाना लैलूंगा में रिपोर्ट करने पर धारा 376,294,506 भादंवि दर्ज कर लिया गया ।

खरसिया अस्पताल को लेकर, डाक्टरों को पड़ी लताड़

न्यायसाक्षी@रायगढ। संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. श्रीमती मधुलिका ठाकुर ने आज सिविल अस्पताल खरसिया एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जोबी का आकस्मिक निरिक्षण किया खरसिया सिविल अस्पताल में साफ सफाई की अव्यवस्था को लेकर उन्होने गहरी नाराजगी व्यक्त की और मौके पर ही डॉक्टरों को कड़ी हिदायत देते हुए व्यवस्था में सुधार लाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों के वार्डो में जाकर स्वास्थ्य सुविधा की जानकारी ली। साथ ही ओपीडी, आईपीडी एवं लेबर रूम आदि कक्षों का भ्रमण कर उपस्थित स्टाफ नर्सो को मरीजों के प्रति उनके नैतिक जिम्मेदारी से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया व खरसिया सिविल अस्पताल के व्यवस्था में सुधार लाने के सख्त निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच. एस. उरांव, डाक्टर्स, नर्स तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित थे।

जमकर बरसेगें बदरा 10 जून से पहले आयेगा मानसून

न्यायसाक्षी@रायगढ। इस बार मानसून समय से पहले आने वाला हैं, रायगढ़ में दस जून तक झमाझम वर्षा हो सकती हैं, क्योकि केरल में मानसून ने दस्तक दे दी हस अब तक के हिसाब से रायगढ़ तक पहुचनें में एक सप्ताह से दस दिन अब तक लगते रहें हैं, इस साल मौसम विभाग की भविष्यवाणी सच साबित हुई है। केरल तट पर दो दिन पहले ही मानसून ने दस्तक दे दी। मंगलवार को केरल बिंदास भीगा। मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक केजे रमेश के मुताबिक इस बार मानसून केरल के अलावा उत्तर पूर्व में भी समय से पहले पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक, तमिलनाडु के कुछ हिस्सों और पूर्वोत्तर राज्यों के अधिकांश हिस्सों में भी मानसून पहुंच गया है। इस बार मानसून के दो दिन पहले यानी 30 मई को पहुंचने की संभावना जतायी गयी थी जो सच साबित हुई। मानसून का समय पर आना देश के लिए अच्छी खबर है।

बालिका से छेड़छाड़, आरोपी गया जेल

न्यायसाक्षी@रायगढ। छोटे अतरमुडा स्थित जिला पंचायत के सामने चक्रधरनगर के पास रहने वाली 30 वर्षीय महिला ने मोहल्ले के नारायण श्रीवास के विरूद्ध इसके घर घुसकर इसकी 8 साल की नाबालिक लडकी के साथ छेड़खानी किये जाने की रिपोर्ट थाना चक्रधरनगर में दर्ज कराई गई जिसके बाद आज आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया । कल शाम 6बजे पीडित बालिका अपने अपने छोटे भाई के साथ घर अंदर पलंग पर बैठकर खेल रही थी। बालिका की मां घर के बाहर थी कि शाम करीब 6.30 बजे बालिका रोते हुए अपनी मां के पास आयी, उसके पीछे मोहल्ले का नारायण श्रीवास घर अंदर से निकल रहा था। बालिका की मां ने रोने का कारण पूछा तो नारायण श्रीवास द्वारा शरीर को गंदे तरीके से स्पर्श करने की बात बतायी। बालिका की मां द्वारा थाना चक्रधरनगर में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने पर आरोपी के विरूद्ध धारा 451,354 भादंवि 8 पाक्सो एक्ट पंजीबद्ध कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया ।

मेडीकल कॉलेज के डॉक्टर ने डीएम से जान बचाने की लगाई गुहार

न्यायसाक्षी@रायगढ। स्व. लखीराम मेडीकल कालेज एक बार फिर से सुर्खियों में हैं इस बार कालेज के डीन आदिले के जुल्मो सितम से आंतकित एक डाक्टर ने रायगढ़ डी.एम. से जान बचाने की गुहार लगायी हैं इसके लिये एक पत्र डी.एम.को सौपा गया हैं जिसमें यह कहा गया है कि 2007 से उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। सौंपे गए पत्र में लिखा गया है कि यहां पर प्रताड़ना का मतलब मौत को अंजाम देना है। मेडिकल कालेज अस्पताल के इस चिकित्सक का नाम एस एन नंदन हैं जिसने डीन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नंदन की ओर से जिला मजिस्ट्रेट को सौंपे गए पत्र में इस बात का उल्लेख किया गया है कि मेडिकल कालेज प्रबंधन की ओर से उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्हें वेतन देर से दिया जाता है। जनवरी 17 का वेतन तीन किश्तों में मार्च के अंतिम सप्ताह में दिया गया है। वहीं अप्रैल का वेतन अब तक नहीं दिया गया है। मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष एस एन नंदन ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि मेडिकल कालेज के डीन एसएन आदिले पूर्व चिकित्सा अध्यक्ष स्व. एस के मोहंती से द्वेष का रखते थे, ऐसे में उनकी मौत के बाद जो डाक्टर उनके संपर्क में थे उनको प्रताड़ित किया जा रहा है। उनकी समस्या को देखते हुए जब मेडिकल कालेज के डीन से मिलने की कोशिश की जाती है तो वो उन्हें टर्मिनेशन की धमकी देते हैं। वो उन्हें बार-बार कहते हैं कि आपको संविदा पर रखा गया है हम जब चाहें आपको निकाल सकते हैं। वहीं डाक्टर की ओर से संयुक्त संचालक सह चिकित्सा अधिक्षक को सौंपे गए पत्र में इस बात का भी आरोप लगाया गया है कि मेडिसिन विभाग की उपस्थिति पंजी कपटपूर्वक गायब कर दी गई है। डाक्टर ने आरोप लगाया कि कुछ अनुपस्थित लोगों के फर्जी हस्ताक्षर नियमित तौर पर किए जा रहे हैं। जिसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को भी दी गई थी, इसके बाद से मुझे प्रताड़ित करना आरंभ किया गया है। डाक्टर की ओर से 9 मई को शिकायत की गई है।

भारत में फुकुशिमा जैसा परमाणु हादसा संभव नहीं

वैज्ञानिकों का दावा

नई दिल्ली। देश के परमाणु रिएक्टरों को लेकर तमाम चिंताओं को खारिज करते हुए परमाणु वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि भारत के परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान पूरी तरह सुरक्षित हैं और यहां फुकुशिमा जैसा परमाणु हादसा संभव नहीं है. परमाणु वैज्ञानिकों का यह विश्वास इस बात से भी सिद्ध होता है कि गत 17 मई को ही भारत सरकार ने 7000 मेगावाट क्षमता वाले 10 स्वदेशी परमाणु रिएक्टर स्थापित किए जाने को हरी झंडी दी है. उल्लेखनीय है कि देश में कुछ संगठन 11 मार्च 2011 को भूकंप और सुनामी के चलते जापान के फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में हुई दुर्घटना जैसी घटनाओं का हवाला देकर भारत में स्थापित होने वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का विरोध कर रहे हैं। पिछले दिनों कई परमाणु वैज्ञानिकों ने देश के परमाणु स्थलों को पूरी तरह से सुरक्षित बताया और कहा कि भारत फुकुशिमा जैसे हादसों से डरने वाला नहीं है। परमाणु ऊर्जा विभाग के राजा रमन्ना फेलो एवं परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था के सचिव स्वप्नेश कुमार मल्होत्रा का कहना है कि देश के परमाणु प्रतिष्ठान पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी को भी इस बारे में भ्रांति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों के सुरक्षा कदमों के चलते यहां कोई फुकुशिमा जैसा हादसा नहीं होने वाला है और देश के परमाणु वैज्ञानिक अपने इरादों पर अटल हैं. मल्होत्रा ने कहा, ‘भारत पूरी दुनिया को यह दिखाने वाला पहला देश था कि हम फुकुशिमा जैसे हादसों से भयभीत नहीं हैं. फुकुशिमा हादसे के बाद भारत दो नए रिएक्टर शुरू करने वाला पहला देश था.’ उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा भविष्य की पीढ़ियों को उजाला देगी और यह देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहद जरूरी है। तारापुर परमाणु बिजलीघर के स्थल निदेशक हेमंत कुमार शाह ने कहा कि परमाणु ऊर्जा को लेकर भ्रांतियां निराधार हैं और परमाणु स्थलों को लेकर किसी भी तरह का कोई डर नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा, ‘परमाणु संयंत्र अत्यंत सुरक्षित हैं. हम दुनिया में सर्वाधिक सुरक्षित उद्योग हैं, दूसरे उद्योगों में अधिक दुर्घटनाएं होती हैं.’ ध्रुव रिएक्टर के प्रभारी अधिकारी जे. तिवारी ने भी भारत के परमाणु प्रतिष्ठानों को पूरी तरह सुरक्षित बताया और कहा कि फुकुशिमा जैसे हादसों से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि फुकुशिमा हादसे के बाद जो सुधार, सिफारिशें की गई, उससे 20 दिन पहले ही इस तरह के सुधार ध्रुव रिएक्टर में कर दिए,ए थे, मुंबई के ट्राम्बे स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं सहयोग प्रभाग के अध्यक्ष श्रीकृष्ण गुप्ता ने कहा कि भारत के परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की कोई भी आशंका पालने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ‘जापान के फुकुशिमा हादसे के बाद हमारे परमाणु रिएक्टरों में भी 12 अतिरिक्त सुरक्षा प्रणाली स्थापित की गई हैं। इसलिए हमारे परमाणु रिएक्टर पूरी तरह सुरक्षित हैं.’ उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने गत 17 मई को कुल 7000 मेगावाट की क्षमता वाले 10 स्वदेशी दाबित भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) स्थापित किए जाने को मंजूरी दी है।

पृथ्वी से 21 प्रकाशवर्ष दूर मिले सुपर अर्थ पर जीवन की संभावना

वैज्ञानिकों ने मानव के प्रवास की संभावना वाले पृथ्वी के समान ग्रह की खोज का दावा किया है। यह ग्रह पृथ्वी से महज 21 प्रकाशवर्ष दूर हैए जिसकी सतह पर पानी पाए जाने की संभावना है। अनुसंधानकर्ताओं ने रेडियल वेग तकनीक का इस्तेमाल किया है। इस तकनीक के तहत अपने गुरुत्वाकर्षण केंद्र की परिक्रमा करने वाले तारे या ग्रह की स्थिति या वेग में परिवर्तन को मापा जाता है। कैनरी द्वीपसमूह के इंस्टीट्यूटो डि एस्ट्रोफिसिका डि केनरियास के वैज्ञानिकों ने ग्रह का पता लगाया है। जिसका द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान से दोगुने से तीन गुने के बीच है। यह ग्रह सामीप्य के कारण अधिक दिलचस्प हो जाता है। यह महज 21 प्रकाशवर्ष की दूरी पर स्थित ऐसे सुपरअर्थ में शामिल हैए जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

विज्ञान समाचार Science News

सूरज के रहस्य को सुलझाएगा नासा का मिशन

होने वाली है अहम घोषणा

वॉशिंगटन: नासा सूरज पर भेजे जाने वाले अपने पहले मिशन के बारे में एक बड़ी घोषणा करने जा रहा है। इस मिशन में नासा का यान सूर्य को छूकर आएगा। सूर्य के लिए भेजा जाने वाला नासा का यह पहला मिशन होगा। नासा एक अंतरिक्षयान को सूर्य के इतने करीब भेजना चाहता हैए जितने करीब पहले कभी कोई नहीं गया। वहां पर अंतरिक्षयान को न केवल बेहद ऊंचे तापमानए बल्कि उच्च रेडियोधर्मिता का भी सामना करना होगा। बुधवार को एक कार्यक्रम में नासा अपने इस सोलर प्रोब प्लस मिशन से जुड़ी अहम घोषणाएं करने जा रहा है। इसे नासा टेलिविजन और एजेंसी की वेबसाइट पर लाइव देखा जा सकेगा। यह स्पेसक्राफ्ट 2018 की गर्मियों में सूर्य के लिए रवाना होगा। इस मिशन का मकसद सूर्य से जुड़ी जानकारियां जमा करना है। सूर्य का सबसे बाहरी हिस्सा श्कोरोनाश् किस तरह गर्म होता है और इसके पीछे की प्रक्रिया हैए इस बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की जाएगी।

सफेद बर्फ से ढके अंटार्कटिक का रंग बदलकर हो रहा है हरा

ग्लोबल वॉर्मिंग है कारण

जलवायु परिवर्तन का असर कहीं देखना हो, तो अंटार्कटिक की ओर आंखें उठाई जा सकती हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण बढ़ते तापमान ने बर्फ की मोटी तहों से ढके इस महादेश का नक्शा ही बदल दिया है। यहां धीरे-धीरे बर्फकी सफेदी की जगह हरियाली नजर आने लगी है। 1950 के दशक से ही अंटार्कटिक का तापमान लगातार बढ़ रहा है। तब से लेकर अब तक हर दशक में यहां का तापमान करीब आधे डिग्री सेल्सियस की रफ्तार से बढ़ रहा है। बाकी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण बढ़ रहे औसत तापमान के मुकाबले यह बहुत ज्यादा है। 1950 के बाद से यहां काई और शैवाल उगने की रफ्तार में भी बहुत तेजी आई है। हर साल पिछले साल के मुकाबले 4 से 5 गुना तक ज्यादा शैवाल यहां उग रहा है। ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने अंटार्कटिक में करीब 1,000 किलोमीटर के इलाके में स्थित 3 जगहों का अध्ययन करने के बाद यह पाया है। वैज्ञानिक अब इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या 1950 को धरती पर नए भूवैज्ञानिक युग की शुरुआत का साल माना जाए। अगर ऐसा होता है, तो यह माना जाएगा कि 1950 के दशक से दुनिया में क्लाइमेट चेंज का दुष्प्रभाव साफतौर पर दिखना शुरू हुआ।

ऐलियन तारे की पहेली ने वैज्ञानिकों को उलझाया

यूं तो पूरा ब्रह्मांड ही एक अबूझ पहेली है, लेकिन पिछले कुछ समय से दुनियाभर के खगोलशास्त्री एक अजीब सी दुविधा में फंसे हुए हैं। इसकी वजह है एक अनोखा खगोलीय पिंड। यह पिंड काफी रहस्यमय है। इससे जुड़ी बातें इसे किसी भी अन्य ज्ञात तारे से अलग बनाती हैं। इसी अनोखेपन के कारण खगोलशास्त्री इसे ऐलियन मेगास्ट्रक्चर का नाम दिया है। कुछ ही दिनों के अंदर इस पिंड की करीब 22 फीसद रोशनी घट गई है। महज थोड़े से समय में ही इसकी रोशनी 22 प्रतिशत तक कम हो जाने से खगोलशास्त्रियों अचंभे में हैं। इस तारे की चमक समय-समय पर घटती-बढ़ती रहती है। यह तारा धरती से लगभग 1,300 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है। इस खगोलीय पिंड का आधिकारिक नाम केआईसी 8462852 है। इसने वैज्ञानिकों को हैरत में डाल दिया है। इस पिंड की रोशनी ना केवल नियमित तौर पर कम होती जाती है, बल्कि कुछ समय बाद इसकी स्वाभाविक चमक फिर से वापस भी आ जाती है। इस तरह का स्वभाव किसी भी अन्य ज्ञात तारे में नहीं देखा गया है। वैज्ञानिक इस तारे की इस अजीबोगरीब आदत को समझने की कोशिश कर रहे हैं। नैशनल जिऑग्राफिक मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस तारे को सबसे पहले 2015 में देखा गया था। केप्लर स्पेस टेलिस्कोप की मदद से तब यह पहली बार नजर आया था। यह टेलिस्कोप दूर के तारों की चमक में आ रहे अंतर पर नजर रखता है। वैज्ञानिक समझ नहीं पा रहे हैं कि इस तारे की प्रक्रिया बाकी तारों से इतनी अलग कैसे है। तारा अगली बार कब मंद पड़ेगाए इसका अंदाजा लगाना भी संभव नहीं है।

ग्लोबल वॉर्मिंग से यूएस में खिसक रहे हैं पेड़

वॉशिंगटन : जलवायु परिवर्तन के नतीजे पूरी दुनिया को परेशान कर रहे हैं। मौसम और बारिश पर पड़ने वाले असर के अलावा भी ग्लोबल वॉर्मिंग के कई गंभीर दुष्प्रभाव हैं। जलवायु परिवर्तन इंसानों, जीवों और दुनिया की बाकी चीजों के साथ-साथ पेड़-पौधों पर क्या असर डालेगा, इसे जानने के लिए भी कई शोध हुए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ठंडे प्रदेशों में पैदा होने वाले पेड़-पौधे अगर ऊपर की ओर खिसकते हैं, तो वे खुद को बचा सकेंगे। इसका मतलब है कि शीत प्रदेशों में उगने वाले पौधे अगर कटिबंधीय प्रदेशों से उत्तर की ओर बढ़ें और ठंडे प्रदेशों का रुख करें, तो वे बच पाएंगे हाल ही में हुए एक सर्वे में यह जानने की कोशिश की गई कि पिछले 3 दशकों के दौरान पेड़-पौधों की आबादी किधर की ओर स्थान परिवर्तन कर रही है। इसके नतीजे वैज्ञानिकों द्वारा निकाले गए परिणाम से बिल्कुल अलग हैं। पाया गया कि पौधों के खिसकने की प्रक्रिया शुरू तो हो गई है, लेकिन वे उत्तर की ओर नहीं, बल्कि पश्चिम की ओर बढ़ रहे हैं। आपको बता दें कि पौधों के खिसकने का मतलब यह नहीं है कि पेड़ एक जगह से चलकर दूसरी जगह चले जाते हैं। इसका मतलब यह है कि पौधों की आबादी एक समय के बाद अपनी जगह बदलने में सक्षम होती है। उस प्रजाति के पेड़ नई जगहों पर फैल जाते हैं और संभव है कि पुरानी जगह पर उनका जन्म लेना और फलना-फूलना पूरी तरह से खत्म हो जाए।

ज़ीका वायरस से बचने के 5 उपाय

1.विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्ल्यूएचओ, के मुताबिक, ज़ीका वायरस के संक्रमण को रोकने का सबसे अच्छा उपाय है मच्छरों की रोकथाम। 2. डब्ल्यूएचओ का कहना है कि मच्छरों से बचने के लिए पूरे शरीर को ढककर रखें और हल्के रंग के कपड़े पहनें। 3. मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए अपने घर के आसपास गमले, बाल्टी, कूलर आदि में भरा पानी निकाल दें। 4. बुख़ार, गले में ख़राश, जोड़ों में दर्द, आंखें लाल होने जैसे लक्षण नज़र आने पर अधिक से अधिक तरल पदार्थों का सेवन और भरपूर आराम करें। 5. ज़ीका वायरस का फ़िलहाल कोई टीका उपलब्ध नहीं है, डब्ल्यूएचओ का कहना है कि स्थिति में सुधार नहीं होने पर फ़ौरन डॉक्टर को दिखाएं।